बीबीएयू के स्थापना दिवस समारोह में बोले सीएम योगी

चीन की जगह यूपी के उत्पाद खरीद रहे लोग

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

प्रदेश सरकार अब प्रदेश के युवाओं को उद्यमी बनाने पर काम कर रही है। क्योंकि बड़े उद्यमी के आधार के रूप में एमएसएमई का होना बेहद जरूरी है। 2017 से पहले त्योहारों पर लोग चीन के बनाए उत्पाद खरीदते थे। तोहफे में चीन के उत्पाद ही दिखते थे। आज तस्वीर बदली है। हमने एमएसएमई के रूप में ओडीओपी के तहत जिलों के उत्पादों को नई पहचान दिलाई। लोग त्योहारों पर यूपी के उत्पाद खरीदते हैं। इससे हमारे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होने के साथ साथ लोगों को रोजगार मिल रहा है। यह बात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अम्बेडकर विश्वविद्यालय में कही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बतौर मुख्य अतिथि अल्मनाई और एनसीसी कैडेट्स को किया सम्मानित

बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में सोमवार को 29वां स्थापना दिवस समारोह व अम्बेडकर जयंति का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बतौर मुख्य अतिथि अल्मनाई और एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया। मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जब विश्व कोरोना का जूझ रहा था हम नई शिक्षा नीति बना रहे थे। 80 करोड़ को बिना भेदभाव मुफ्त राशन और 50 करोड़ को आयुष्मान योजना से मुफ्त इलाज देने वाला भारत इकलौता देश है। गरीबों को आवास, गैस व बिजली कनेक्शन हमारी सरकार ने दिया। सबका साथ सबका विकास बाबा साहेब का ही सपना था, जिसे हमने साकार किया। पहले कुंभ को गंदगी, भगदड़ और अव्यवस्था के पर्याय के रूप में देखा जाता था। हमने इसकी पहचान बदली और आज पूरे विश्व से लोग कुंभ में शामिल होने के लिए आए। कहा कि दस साल पहले तक भारत में युवाओं के सामने पहचान का संकट था किसान आत्महत्या कर रहे थे लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। डबल इंजन की सरकार ने प्रदेश के साथ साथ देश को आगे बढ़ाया है।

CM ने कार्यक्रम में कहा कि हमारी सरकार ने गरीबों को आवास, गैस और बिजली कनेक्शन दिए।

'स्किलिंग सेंटर बने बीबीएयू'

■ बीबीएयू के वीसी प्रो. राज कुमार मित्तल ने विवि में स्किल डिवेलपमेंट सेंटर खोलने की बात कही। जिससे युवाओं के कौशल विकास को गति मिल सके। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विवि में अगर सिर्फ ओडीओपी के प्रॉडक्ट को ही शोकेस कर युवाओं को स्किल मुहैया कराया जाए तो पढ़ाई के बाद वह जिस जिले का होगा उस जिले में एक बड़ा रोजगार स्थापित कर सकेगा। एमएसएमई की स्किलिंग के लिए विश्वविद्यालय एक बड़े केंद्र के रूप में स्थापित हो सकता है।

भीम वॉक से हुई दिन की शुरुआत

■ बीबीएयू में स्थापना दिवस की शुरुआत सुबह भीम वॉक के साथ हुई। जिसमें विवि की एनएसएस ईकाई की ओर से कैंपस में पद यात्रा निकाली गई। इसके बाद विवि में अम्बेडकर के जीवन पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें देश के अलग अलग राज्यों से आए विशेषज्ञों ने अम्बेडकर के जीवन पर व्याख्यान दिया। इसके बाद मुख्य आयोजन हुआ, जबकि शाम में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इसमें विवि के छात्रों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।